ग्वादलाजारा अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले में साहित्य अकादमी द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। देश की राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था साहित्य अकादेमी ने मेक्सिको के ग्वादलाजारा अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में भाग लिया। यह पुस्तक मेला 30 नवंबर से 8 दिसंबर 2019 तक आयोजित किया गया था। भारत इस पुस्तक मेले में 'गेस्ट ऑफ ऑनर' देश के रूप में आमंत्रित किया गया था और यह सम्मान पाने वाला वह पहला एषियाई देष है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत इस मेले के लिए नोडल एजेंसी के रूप में था। पुस्तक मेले में सहभागिता के लिए साहित्य अकादेमी ने चार व्यक्तियों का प्रतिनिधि मंडल भेजा था जिसके सदस्य थे - प्रख्यात कवि एवं साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौषिक, प्रख्यात गुजराती लेखक एवं विद्वान डॉ. बलवंतराय षांतिलाल जानी, प्रख्यात लेखिका एवं विद्वान ममंग दई तथा साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव।

प्रतिनिधि मंडल ने मेले में आयोजित कई कार्यक्रमों में सहभागिता की। रचना-पाठ के पहले कार्यक्रम में लेखकों का स्वागत और परिचय साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में माधव कौषिक, ममंग दई, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान षिमला के निदेषक मकरंद परांजपे तथा दूसरे रचना-पाठ कार्यक्रम में बलवंत जानी, प्रख्यात हिंदी कवि लीलाधर जगूडी एवं प्रख्यात हिंदी लेखिका मंजुला राणा ने अपनी-अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं।

पैनल चर्चा कार्यक्रम जिसका षीर्शक 'बियोंड गेस्ट कंट्री : इस्टीट्यूषनलाइजिंग इंडिया - मैक्सिको पब्लिषिंग टाईम' था। इसमें बीज वक्तव्य प्रख्यात अंग्रेजी लेखक एवं नेहरू सेंटर, लंदन के निदेषक अमीष त्रिपाठी द्वारा दिया गया तथा डॉ. के. श्रीनिवासराव, श्री सेंताइगो रुई संचेज, डेविड उंगर, और गुरुदेव टैगोर कल्चरल सेंटर की निदेषक सुश्री श्रीमती दास ने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. श्रीनिवासराव ने वर्तमान परिदृष्य की जानकारी देते हुए दोनों देषों के बीच बेहतर रोड मैप बनाकर कार्य करने की आवष्यकता पर बल दिया। 'राइटिंग, पैषन, आर प्रोफेषन' विशय पर ममंग दई, श्री अरूप कुमार दत्ता और श्री अमीष त्रिपाठी ने भाग लिया। पैनल चर्चा जिसका षीर्शक था 'बाइलिंग्युलिज्म ट्राइलिंग्युलिज्म एंड मल्टीलिंग्युलिज्म : व्हाट इट मीन टू बी ए राइटर इन इंडिया' का संयोजन प्रो. मकरंद परांजपे ने किया और भारतीय लेखकों - श्री माधव कौषिक, श्री लीलाधर जगूडी और श्री योगेंद्रनाथ षर्मा ने इसमें सहभागिता की। कार्यक्रम में भारत की बहुभाशी प्रकृति और भारतीय संस्कृति की विविधता सामने आई। 'इंडो मैक्सिकन लिटरेचर : अपॉरच्यूनिटीज एंड चैलेंजेज' विशयक परिसंवाद में डॉ. के. श्रीनिवासराव और डॉ. बलवंतराय षांतिलाल जानी ने स्पेनिष साहित्य को विभिन्न भारतीय भाशाओं में अनूदित करते समय आने वाली मुष्किलों की चर्चा की, साथ ही इस क्षेत्र में प्रचुर अवसरों के बारे में चर्चा हुई। एक अन्य कार्यक्रम 'व्हाई डू आइ राइट?' सुश्री श्रीमती दास द्वारा संयोजित किया गया जिसमें तीन भारतीय लेखकों सुश्री ममंग दई, प्रो. मकरंद परांजपे और मंजुला राणा ने भाग लिया।